पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

कक्षा 9 हिंदी

अध्याय 4

जरुरतों के नाम पर

प्रश्न बैंक

birlaeducation.org

कक्षा 9 की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होती; यह प्रश्न बैंक पाठ्यपुस्तक और अध्याय के विषयों पर आधारित है

बिरला एजुकेशन

अध्याय 4: जरुरतों के नाम पर

कवि: कुँवर नारायण

अध्याय का सार

कवि कुँवर नारायण सच बोलने वाला व्यक्ति है। उसकी प्रकृति है कि वह गलत को गलत कह डालता है, उस पर सही होने की पॉलिश नहीं चढ़ाता। इसका परिणाम यह होता है कि हर बहस के बाद उसे गलतफहमियों के बीच बिल्कुल अकेला छोड़ दिया जाता है। लोग उसे यह दिखाने को अकेला छोड़ देते हैं कि जो कुछ उसने कहा है, उसे वह करके भी दिखाए। लोग उसे इस संशय में डाल देते हैं कि जिसे वह गलत कह रहा है, वास्तव में वह गलत है भी या नहीं।

समाज में ऐसे लोग हैं जो खुद अपने से जीत नहीं पाते और सही बात का जीतना भी सह नहीं पाते। उनकी असहिष्णुता के बीच कवि को किसी अपमानजनक नाते की तरह बेमुरौवत तोड़ दिया जाता है। कवि को प्रत्येक रोचक प्रसंग से हटाकर, शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची की तरह, घरेलू उपन्यासों के अंत में लापरवाही से जोड़ दिया जाता है। उस सूची को कोई नहीं पढ़ता, फिर भी वह पुस्तक का अंश होती है। ठीक यही स्थिति कवि की है, वह समाज में रहते हुए भी समाज के कचरे के समान समझा जाता है।

अंत में वे सब मिलकर कवि की बहस की हत्या कर डालते हैं, जरूरतों के नाम पर। वे अपनी जरूरतों के अनुसार गलत को सही और सही को गलत ठहराते हैं। और फिर वही लोग एक कवि से पूछते हैं कि जिंदगी क्या है, जिंदगी को बदनाम करके। इस प्रकार कवि ने समाज में रहने वाले मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी व्यक्ति के मन के बाहरी और भीतरी संघर्ष को और साहित्यकार की उपेक्षित स्थिति को इस कविता में उठाया है।

birlaeducation.org

समूह A: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ), 12 प्रश्न

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

1. कवि गलत पर किसकी पॉलिश नहीं चढ़ाता? अतिरिक्त

(क) सच्चाई की

(ख) सही होने की

(ग) अच्छाई की

(घ) समझदारी की

उत्तर: सही होने की पॉलिश। कवि गलत को गलत कह डालता है, उस पर सही होने की पॉलिश नहीं चढ़ाता।

---

2. तीसरे तारसप्तक का संपादन किसने किया था? अतिरिक्त

(क) कुँवर नारायण ने

(ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने

(ग) अज्ञेय ने

(घ) धर्मवीर भारती ने

उत्तर: अज्ञेय ने। अज्ञेय द्वारा संपादित तीसरे तारसप्तक (1959) से कुँवर नारायण की पहचान बनी।

---

3. कुँवर नारायण का जन्म किस स्थान पर हुआ था? अतिरिक्त

(क) लखनऊ में

(ख) फैजाबाद में

(ग) वाराणसी में

(घ) इलाहाबाद में

उत्तर: फैजाबाद में। कुँवर नारायण का जन्म 19 सितंबर 1927 को फैजाबाद में हुआ था।

---

4. कुँवर नारायण का देहांत कब हुआ? अतिरिक्त

(क) 15 नवंबर 2015 को

(ख) 15 नवंबर 2016 को

(ग) 15 नवंबर 2017 को

(घ) 15 नवंबर 2018 को

उत्तर: 15 नवंबर 2017 को।

---

birlaeducation.org

5. 'बेमुरौवत' शब्द का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

(क) बहुत दया के साथ

(ख) बिना किसी दया या मुरौवत के

(ग) बहुत सम्मान के साथ

(घ) धीरे धीरे

उत्तर: बिना किसी दया या मुरौवत के।

---

6. कवि को किससे हटाकर अलग कर दिया जाता है? अतिरिक्त

(क) प्रत्येक रोचक प्रसंग से

(ख) प्रत्येक सभा से

(ग) प्रत्येक पुस्तक से

(घ) प्रत्येक गाँव से

उत्तर: प्रत्येक रोचक प्रसंग से। कवि को हर रोचक प्रसंग से हटाकर, शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची की तरह, घरेलू उपन्यासों के अंत में लापरवाही से जोड़ दिया जाता है।

---

7. कवि की बहस की हत्या किसके नाम पर की जाती है? अतिरिक्त

(क) परंपरा के नाम पर

(ख) धर्म के नाम पर

(ग) जरूरतों के नाम पर

(घ) कानून के नाम पर

उत्तर: जरूरतों के नाम पर। वे सब मिलकर कवि की बहस की हत्या कर डालते हैं, जरूरतों के नाम पर।

---

8. इस कविता में किस वर्ग के बुद्धिजीवी व्यक्ति के संघर्ष को उठाया गया है? अतिरिक्त

(क) उच्चवर्गीय

(ख) मध्यवर्गीय

(ग) निम्नवर्गीय

(घ) श्रमिक वर्गीय

उत्तर: मध्यवर्गीय। कविता में मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी व्यक्ति के मन के बाहरी और भीतरी संघर्ष को उठाया गया है।

---

9. समाज में कवि की स्थिति किसके समान बताई गई है? अतिरिक्त

(क) सोने के समान

(ख) दर्पण के समान

(ग) कचरे के समान

(घ) दीपक के समान

उत्तर: कचरे के समान। कवि समाज में रहते हुए भी समाज के कचरे के समान समझा जाता है, जिसकी कोई उपयोगिता नहीं मानी जाती।

birlaeducation.org

---

10. 'असहिष्णुता' का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

(क) सब कुछ सह लेना

(ख) दूसरों की बात सहन न करना

(ग) बहुत धैर्य रखना

(घ) चुप रहना

उत्तर: दूसरों की बात सहन न करना।

---

11. 'कोई दूसरा नहीं' कुँवर नारायण की किस विधा की रचना है? अतिरिक्त

(क) उपन्यास

(ख) कहानी

(ग) काव्य संग्रह

(घ) नाटक

उत्तर: काव्य संग्रह। 'कोई दूसरा नहीं' कुँवर नारायण के प्रमुख काव्य संग्रहों में से एक है।

---

12. कुँवर नारायण को इनमें से कौन सा सम्मान मिला था? अतिरिक्त

(क) भारत रत्न

(ख) पद्मभूषण

(ग) नोबेल पुरस्कार

(घ) बुकर पुरस्कार

उत्तर: पद्मभूषण। कुँवर नारायण को ज्ञानपीठ पुरस्कार और पद्मभूषण सम्मान मिला था।

समूह B: अति लघु उत्तरीय प्रश्न (VSA), 10 प्रश्न

उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

1. कवि किस बात पर पॉलिश नहीं चढ़ाता? अतिरिक्त

उत्तर: कवि गलत पर सही होने की पॉलिश नहीं चढ़ाता, वह गलत को गलत कह डालता है।

---

2. लोग कवि को किस संशय में डाल देते हैं? अतिरिक्त

उत्तर: लोग कवि को इस संशय में डाल देते हैं कि जिसे वह गलत कह रहा है, वास्तव में वह गलत है भी या नहीं।

---

3. 'नाता' शब्द का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

उत्तर: नाता का अर्थ है रिश्ता या संबंध।

---

4. तीसरा तारसप्तक किस वर्ष प्रकाशित हुआ? अतिरिक्त

birlaeducation.org

उत्तर: तीसरा तारसप्तक सन् 1959 में प्रकाशित हुआ।

---

5. कविता के अलावा कुँवर नारायण ने और किन विधाओं में लिखा? अतिरिक्त

उत्तर: कविता के अलावा उन्होंने कहानियाँ, लेख और समीक्षाएँ भी लिखीं, और सिनेमा, रंगमंच तथा साहित्य की अन्य कलाओं पर भी लेखनी चलाई।

---

6. 'शिक्षाप्रद' शब्द का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

उत्तर: शिक्षाप्रद का अर्थ है शिक्षा देने वाला।

---

7. कविता में 'हत्या' शब्द का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

उत्तर: हत्या का अर्थ है मार डालना या नष्ट कर देना।

---

8. जो लोग सही बात का जीतना सह नहीं पाते, वे खुद किससे जीत नहीं पाते? अतिरिक्त

उत्तर: वे खुद अपने से जीत नहीं पाते।

---

9. 'बदनाम' शब्द का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

उत्तर: बदनाम का अर्थ है बुरा नाम करना या कलंक लगाना।

---

10. कवि की कविताओं में इतिहास और मिथक के माध्यम से क्या उठाया गया है? अतिरिक्त

उत्तर: कवि की कविताओं में इतिहास और मिथक के माध्यम से वर्तमान की समस्याओं को उठाया गया है।

समूह C: लघु उत्तरीय प्रश्न (SA), 10 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

1. 'गलत पर सही होने की पॉलिश नहीं चढ़ाता' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: कवि की प्रकृति है कि वह गलत को गलत कह डालता है। वह गलत बात को मीठे शब्दों से सही साबित करने की कोशिश नहीं करता और उसे सही ठहराने का मुलम्मा नहीं चढ़ाता। सच्चाई को जैसी है वैसी ही कहना उसका स्वभाव है, चाहे इसके लिए उसे अकेला ही क्यों न छोड़ दिया जाए।

---

2. लोग कवि को करके दिखाने की चुनौती क्यों देते हैं? अतिरिक्त

उत्तर: हर बहस के बाद लोग कवि को गलतफहमियों के बीच अकेला छोड़ देते हैं, ताकि वह जो कुछ कह दिखाया है उसे करके भी दिखाए। वे उसकी सच्चाई को कसौटी पर कसना चाहते हैं और उसे अकेले ही अपनी बात साबित करने के लिए छोड़ देते हैं।

---

3. 'अपने से जीत नहीं पाते' का क्या अर्थ है? अतिरिक्त

उत्तर: इसका अर्थ है कि वे लोग अपने मन, अपनी कमजोरियों और अपने भीतर की गलत व्यवस्था से जीत नहीं पाए हैं। वे खुद हार मान चुके हैं, इसलिए किसी दूसरे की जीत भी उन्हें सहन नहीं होती और सही व्यक्ति की जीत में भी उन्हें अपनी हार दिखती है।

birlaeducation.org

---

4. लोग सही बात की जीत में अपनी हार क्यों देखते हैं? अतिरिक्त

उत्तर: क्योंकि वे गलत को गलत और सही को सही कहने का साहस नहीं कर पाते। जब कोई सही व्यक्ति जीतता है तो उन्हें अपनी हार दिखती है, क्योंकि उसकी जीत उनकी कायरता और समझौते को उजागर कर देती है।

---

5. कवि समाज का अंश होते हुए भी उपेक्षित क्यों है? अतिरिक्त

उत्तर: जैसे घरेलू उपन्यास के अंत में जोड़ी गई शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची को कोई नहीं पढ़ता, फिर भी वह पुस्तक का अंश होती है, वैसे ही कवि समाज का हिस्सा होते हुए भी उपेक्षित है। समाज उसे औपचारिक रूप से स्वीकार करता है, पर उसकी बातों को कोई महत्व नहीं देता।

---

6. लोग जरूरतों के नाम पर सच्चाई से कैसा खिलवाड़ करते हैं? अतिरिक्त

उत्तर: वे अपनी जरूरतों के अनुसार गलत को सही और सही को गलत ठहराते हैं। कवि की सच्चाई को झुठलाकर वे कहते हैं कि यही समय की माँग है, और इस तरह वे कवि की जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं और उसकी भावनाओं का मजाक उड़ाते हैं।

---

7. कविता में 'बहस' शब्द किसका प्रतीक है? अतिरिक्त

उत्तर: 'बहस' कवि के तर्कों और सच्चाई की आवाज का प्रतीक है। बहस की हत्या का अर्थ है सच्चे तर्कों को पूरी तरह दबा देना और समाज में सच्ची बहस के लिए कोई जगह न छोड़ना।

---

8. कुँवर नारायण को 'विचारों और मूल्यों के कवि' क्यों कहा जाता है? अतिरिक्त

उत्तर: क्योंकि चाहे प्रेम हो, विषाद हो या मृत्यु से जुड़े सवाल, उनका अपना अनुभव कविता में नया विचार बनता है। उनका आत्मबोध व्यक्ति और व्यापक सत्य के बीच एक नया संबंध बनाता है, और उनकी कविताओं में इतिहास और मिथक के माध्यम से वर्तमान की समस्याएँ उठाई गई हैं।

---

9. 'वाजश्रवा के बहाने' किस विधा की रचना है और यह कब प्रकाशित हुआ? अतिरिक्त

उत्तर: 'वाजश्रवा के बहाने' खंडकाव्य विधा की रचना है और यह सन् 2008 में प्रकाशित हुआ।

---

10. नई कविता में 'भीड़ में अकेला पड़ता व्यक्ति' की विशेषता कुँवर नारायण की कविता में कैसे दिखती है? अतिरिक्त

उत्तर: कवि सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस रखता है, इसलिए वह भीड़ में अकेला पड़ जाता है। वह उन लोगों की भीड़ में शामिल नहीं हो पाता जो गलत को भी सही ठहराते हैं, और यही अकेलापन नई कविता की प्रमुख विशेषता है।

समूह D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ), 8 प्रश्न

birlaeducation.org

उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. प्रथम और द्वितीय पद्यांश के आधार पर कवि के अकेलेपन के कारणों का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: कवि के अकेलेपन का पहला कारण उसकी सच्चाई है। वह गलत को गलत साबित कर देता है और गलत पर सही होने की पॉलिश नहीं चढ़ाता, इसलिए हर बहस के बाद उसे गलतफहमियों के बीच बिल्कुल अकेला छोड़ दिया जाता है। लोग उसे इस संशय में डाल देते हैं कि जिसे वह गलत कह रहा है, वास्तव में वह गलत है भी या नहीं, और उसे जो कहा है उसे करके दिखाने की चुनौती देकर अकेले छोड़ देते हैं। दूसरा कारण समाज के उन लोगों की असहिष्णुता है जो खुद अपने से जीत नहीं पाते और सही बात का जीतना भी सह नहीं पाते। सही व्यक्ति की जीत में उन्हें अपनी हार दिखती है, इसलिए वे कवि को किसी अपमानजनक नाते की तरह बेमुरौवत तोड़ देते हैं।

---

2. कवि ने अपनी उपेक्षा को किन दो उपमाओं से समझाया है? स्पष्ट कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: कवि ने अपनी उपेक्षा को दो उपमाओं से समझाया है। पहली उपमा अपमानजनक नाते की है। समाज के लोग कवि को उसी प्रकार अस्वीकार कर देते हैं जिस प्रकार किसी अपमानजनक रिश्ते को बिना किसी माया मोह के तोड़ दिया जाता है। दूसरी उपमा शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची की है। जैसे घरेलू उपन्यास के अंत में जोड़ी गई शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची को कोई नहीं पढ़ता, फिर भी वह पुस्तक का अंश होती है, वैसे ही समाज में कवि की भी कोई कद्र नहीं है, फिर भी वह समाज का हिस्सा है। दोनों उपमाएँ साहित्यकार की उपेक्षित स्थिति को उजागर करती हैं।

---

3. कविता के चारों पद्यांशों में कवि के भाव का क्रमिक विकास कैसे होता है? लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: पहले पद्यांश में कवि अपने अकेलेपन की बात करता है। गलत को गलत साबित करने के कारण हर बहस के बाद उसे गलतफहमियों के बीच अकेला छोड़ दिया जाता है। दूसरे पद्यांश में अकेलापन अस्वीकृति में बदल जाता है, लोग उसे किसी अपमानजनक नाते की तरह बेमुरौवत तोड़ देते हैं। तीसरे पद्यांश में यह उपेक्षा और गहरी हो जाती है, उसे हर रोचक प्रसंग से हटाकर, शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची की तरह, घरेलू उपन्यासों के अंत में लापरवाही से जोड़ दिया जाता है। चौथे पद्यांश में यह उपेक्षा चरम पर पहुँचती है, सब मिलकर जरूरतों के नाम पर उसकी बहस की हत्या कर डालते हैं और फिर वही लोग उससे पूछते हैं कि जिंदगी क्या है। इस तरह कविता में अकेलेपन से लेकर बहस की हत्या तक भाव क्रमशः गहरा होता जाता है।

---

4. 'गलतफहमी' कवि के जीवन में किस प्रकार हथियार का काम करती है? अतिरिक्त

उत्तर: लोग कवि को गलतफहमी का शिकार बनाकर उन्हीं गलतफहमियों से अपने आप से लड़ने के लिए छोड़ देते हैं। वे उसे इस संशय में डाल देते हैं कि जिसे वह गलत कह रहा है, वास्तव में वह गलत है भी या नहीं। इस तरह गलतफहमी कवि के विरुद्ध हथियार बन जाती है, क्योंकि वह कवि को उसके ही कहे पर संदेह करने को मजबूर कर देती है और उसे भीड़ से अलग करके अकेला कर देती है। लोग सच्चाई से सीधे लड़ने के बजाय गलतफहमी फैलाकर कवि की आवाज को कमजोर कर देते हैं।

---

5. कवि की प्रकृति और समाज के लोगों की प्रकृति में विरोध स्पष्ट कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: कवि की प्रकृति है कि वह गलत को गलत कह डालता है, उस पर सही होने की पॉलिश नहीं चढ़ाता और सच्चाई का साथ देता है, चाहे इसके लिए उसे अकेला ही क्यों न छोड़ दिया जाए। इसके विपरीत समाज के लोग गलत को गलत और सही को सही कहने का साहस नहीं कर पाते। वे खुद अपने से जीत नहीं पाते, सही बात की जीत भी सह नहीं पाते और अपनी असहिष्णुता के बीच सही व्यक्ति को तोड़ देते हैं। वे अपनी जरूरतों के अनुसार गलत को सही और सही को गलत ठहराते हैं। यही विरोध कविता का केंद्रीय संघर्ष है, एक ओर सच्चाई पर अडिग कवि है और दूसरी ओर जरूरतों के नाम पर सच्चाई दबाने वाला समाज है।

birlaeducation.org

---

6. 'हत्या', 'तोड़ दिया जाता हूँ' और 'हटा कर' जैसे शब्दों से समाज के व्यवहार का कैसा चित्र उभरता है? अतिरिक्त

उत्तर: इन शब्दों से समाज के व्यवहार का क्रूर और हिंसक चित्र उभरता है। 'हत्या' शब्द बताता है कि लोग कवि के तर्कों को पूरी तरह नष्ट कर देते हैं, वे उसकी सच्चाई को झुठलाकर कहते हैं कि यही समय की माँग है। 'तोड़ दिया जाता हूँ' शब्द बताता है कि कवि को किसी अपमानजनक रिश्ते की तरह बिना किसी दया के समाज से अलग कर दिया जाता है। 'हटा कर' शब्द बताता है कि उसे हर रोचक प्रसंग से दरकिनार करके, शिक्षाप्रद पुस्तकों की सूची की तरह, घरेलू उपन्यासों के अंत में लापरवाही से जोड़ दिया जाता है। ये शब्द दिखाते हैं कि समाज सच्चाई बोलने वाले व्यक्ति के साथ कैसा निर्मम व्यवहार करता है।

---

7. कुँवर नारायण की प्रमुख रचनाओं का परिचय दीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: कुँवर नारायण नई कविता के प्रमुख कवियों में से एक हैं और अज्ञेय द्वारा संपादित तीसरे तारसप्तक (1959) से उनकी पहचान बनी। उनके प्रमुख काव्य संग्रह 'चक्रव्यूह', 'परिवेश: हम-तुम', 'आमने-सामने' और 'कोई दूसरा नहीं' हैं। उनके खंडकाव्य 'आत्मजयी' (सन् 1965) और 'वाजश्रवा के बहाने' (सन् 2008) हैं। वे मूलतः कवि हैं, लेकिन कविता के अलावा उन्होंने कहानियाँ, लेख और समीक्षाएँ भी लिखीं। उन्होंने सिनेमा, रंगमंच और साहित्य की अन्य कलाओं पर भी लेखनी चलाई, और उनकी अनेक रचनाओं का अनुवाद कई विदेशी भाषाओं में हो चुका है।

---

8. इस कविता से आज के समाज के बारे में क्या सीख मिलती है? अतिरिक्त

उत्तर: इस कविता से यह सीख मिलती है कि आज के समाज में भी सच्चाई बोलने वाले व्यक्ति को उपेक्षा और अकेलापन मिलता है, फिर भी उसे सच्चाई का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। लोग अपनी जरूरतों के अनुसार गलत को सही और सही को गलत ठहराते हैं, और साहित्यकार को वह सम्मान, इज्जत और पहचान नहीं मिल पाती जिसके वे हकदार होते हैं। कविता हमें यह भी सिखाती है कि दूसरों की जिंदगी को तबाह करने वाले लोग ही जब जिंदगी की परिभाषा पूछते हैं, तो यह समाज की सबसे बड़ी विडंबना है। सच्चाई पर अडिग रहना ही कवि का संदेश है।

---

birlaeducation.org